कक्षा - 10 - उपवाचक-1

बोध-प्रश्न

1. कथावाचक और हरिहर काका के बीच क्या संबंध है और इसके क्या कारण हैं?
2. हरिहर काका को मंहत और अपने भाई एक ही श्रेणी के क्यों लगने लगे?
3. ठाकुरबारी के प्रति गाँव वालों के मन में अपार श्रद्धा के जो भाव हैं उससे उनकी किस मनोवृत्ति का पता चलता है?
4. अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ रखते हैं? कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
5. हरिहर काका को जबरन उठा ले जाने वाले कौन थे? उन्होंने उनके साथ कैसा बर्ताव किया?
6. हरिहर काका के मामले में गाँव वालों की क्या राय थी और उसके क्या कारण थे?
7. कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि लेखक ने यह क्यों कहा, "अज्ञान की स्थिति में ही मनुष्य मृत्यु से डरते हैं। ज्ञान होने के बाद तो आदमी आवश्यकता पड़ने पर मृत्यु को वरण करने के लिए तैयार हो जाता है।"
8. समाज में रिश्तों की क्या अहमियत है? इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए।
9. यदि आपके आसपास हरिहर काका जैसी हालत में कोई हो तो आप उसकी किस प्रकार मदद करेंगे?
10. हरिहर काका के गाँव में यदि मीडिया की पहुँच होती तो उनकी क्या स्थिति होती? अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 1 - कथावाचक और हरिहर काका के बीच क्या सम्बन्ध है और इसके क्या कारण है ?

उत्तर - कथावाचक और हरिहर काका के बीच घनिष्ठ संबंध है। हरिहर काका लेखक के पड़ोसी हैं। निस्संतान काका , लेखक को बचपन से ही बहुत प्यार करते थे। वे लेखक को अपने पुत्र समझकर कंधे पर बिठा कर घुमाते थे। वे लेखक का पहला दोस्त रहे। हरिहर काका उससे सबकुछ खुल कर कह देते थे।

प्रश्न 2 - हरिहर काका को महंत और भाई एक ही श्रेणी के क्यों लगने लगे ?

उत्तर- हरिहर काका को महंत और अपने भाइयों में कोई अंतर नहीं लगा। दोनों स्वार्थी थे। हरिहर काका निस्संतान होने से पंद्रह वीघे जमीन उनके नाम लिखवाना चाहते थे। दोनों को जायदाद पर बड़ा प्रेम था लेकिन काका पर नहीं।

प्रश्न 3 - ठाकुरबारी के प्रति गाँव वालों के मन में अपार श्रद्धा के जो भाव हैं उससे उनकी किस मनोवृत्ति का पता चलता है ?

उत्तर- ठाकुरबारी के प्रति गाँव वालों के मन में अपार श्रद्धा के भाव हैं। वे ठाकुर जी को भगवान का दूसरा रूप समझते हैं। वे अपने प्रत्येक कार्य की सफलता का कारण ठाकुर जी की कृपा मानते थे। इस प्रकार ठाकुरबाड़ी के प्रति लोगों की श्रद्धा , धार्मिक और अंधविश्वासी मनोवृति का पता चलता है।

प्रश्न 4 - अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ रखते हैं ? कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर – हरिहर काका के भाइयों ने काका के जमीन को अपने नाम पर लिखने केलिए हठ किया। काका अपने जीते जायदाद को किसी के हस्तगत करना ठीक नहीं समझा। उनके गांव के कुछ लोग अपनी जायदाद जीते जी रिश्तेदारों के नाम लिखवा दिया था। उनका जीवन बाद में किसी कुत्ते की तरह हो गया था। इससे पता चलता है कि हरिहर काका अनपढ़ होने पर भी दुनिया की बेहतर समझ रखते थे।

प्रश्न 5 - हरिहर काका को जवरन उठा ले जाने वाले कौन थे। उन्होंने उनके साथ कैसा व्यवहार किया ?

उत्तर - हरिहर काका ने अपनी जायदाद ठाकुरवाड़ी के नाम कर देने से इन्कार कर दिया। इसलिए महंत के आदमी हरिहर काका को जवरन उठा ले गए थे। महंत और अपने लोग मिलकर काका के हाथ पैर बांध दिए। मुहँ में कपड़ा ठूंस दिया। जबरदस्ती से अंगूठे के निशान लिये और कमरे में बंद कर दिया। जब पुलिस आई तो इन काका को छोड़कर सब भाग गए।

प्रश्न 6 - हरिहर काका के मामले में गाँववालों की क्या राय थी और उसके क्या कारण थे ?

उत्तर- हरिहर काका के गाँव में दो वर्ग थे। महंत वर्ग के लोग सोचते थे कि काका अपनी जमीन ठाकुरबारी का नाम लिखकर अपना नाम अमर कर लें। वे ऐसा धार्मिक कार्य करके सीधे स्वर्ग जाएंगे।

दूसरे वर्ग में प्रगतिशील विचारवाले किसान थे। वे सोचते थे कि काका का जमीन अपने परिवार वालों को दी जाए। वे जमीन का महत्त्व जानते थे। इससे उनके परिवार का पेट भरेगा।

प्रश्न 7 - कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि लेखक ने यह क्यों कहा, "अज्ञान की स्थिति में ही मनुष्य मृत्यु से डरते हैं। ज्ञान होने के बाद तो आदमी आवश्यकता पड़ने पर मृत्यु को वरन करने के लिए तैयार हो जाता है।"

उत्तर- हरिहर काका अज्ञान की स्थिति में मृत्यु से डरते थे परंतु बाद में ज्ञान होने पर वे मृत्यु का वरन करने को तैयार हो जाते है। काका कहानी में दोनों ही परिस्थितियों से गुजरते है। जब काका को ज्ञान हो जाता है कि गांव के कुछ लोग अपनी जिंदगी में ही जायदाद अपने रिश्तेदारों के नाम लिखवा दिया था। बुढ़ापे में उनका जीवन किसी कुत्ते के जीवन की तरह हो गया। हरिहर काका इस तरह की हालत से अच्छा एक बार ही मर जाना सही समझते थे।

प्रश्न 8 - समाज में रिश्तों की क्या अहमियत है ? इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

उत्तर- आज समाज में मानवीय मूल्य तथा पारिवारिक मूल्य धीरे-धीरे समाप्त होते जा रहे हैं। ज़्यादातर व्यक्ति अपने स्वार्थ के लिए रिश्ते निभाते हैं। अपनी आवश्यकताओं के हिसाब से मिलते हैं। अमीर रिश्तेदारों का सम्मान करते हैं। केवल स्वार्थ सिद्धि की अहमियत रह गई है।

प्रश्न 9 - यदि आपके आसपास हरिहर काका जैसी हालत में कोई हो तो आप उसकी मदद कैसे करेंगे ?

उत्तर- हम हरिहर काका के हर संभव विषय में मदद करेंगे। हम उसके परिवार के रिश्ते सुधारने की कोशिश करेंगे। उसके रिश्तेदारों को समझाएंगे कि उस व्यक्ति के साथ कटु व्यवहार ना करें। मीडिया और पुलिस की मदद लेनी पड़ी तो हम पीछे नहीं हटेंगे।

प्रश्न 10 - हरिहर काका के गाँव में यदि मीडिया की पहुँच होती तो उनकी क्या स्थिति होती? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर- हरिहर काका के गांव में यदि मीडिया की पहुंच होती तो स्थिति एकदम विपरीत होती। वह अपने भाईयों के धोखे का शिकार ना होते। भाइयों और महंत के अत्याचार की खबर अखबारों में प्रकाशित होती है। हरिहर काका की मदद के लिए अनेक समाज सेवक तथा वृद्ध आश्रम तैयार हो जाते। हरिहर काका को न्याय मिलेगा।

https://hamari-hindi.com